हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

10 मांगों को लेकर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल तेज...
9 मांगों को लेकर दैनिक रेलयात्री महासंघ ने...

खबर संक्षेप

रंजिश में हमला वाले 3 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने आपसी रंजिश के चलते हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान अनूप वासी नांगल कालिया, राजबीर वासी नांगल चौधरी व सचिन वासी नांगल कालिया के रूप में हुई है। पुलिस ने पूछताछ में आरोपितों से वारदात में इस्तेमाल किए गए तीन डंडे और एक कैम्पर गाड़ी भी बरामद कर ली है। शिकायतकर्ता कर्मवीर निवासी नांगल कालिया ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में बताया था कि वह अपने साथी विकास के साथ सिरोही बहाली टोल प्लाजा के पीछे स्थित एक शराब के ठेके के पास मौजूद था।

ऑनलाइन ऑर्डर के नाम पर डेढ़ लाख की ठगी

कनीना। सिटी थाना क्षेत्र में साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। जिसमें एक व्यक्ति से कपड़े के ऑनलाइन ऑर्डर के नाम पर 1.49 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। कपड़े खरीदने के लिए उसने अलग अलग किस्तों में कुल 149396 रुपये फर्म के बताए खाते में ट्रांसफर किए। भुगतान के बाद आरोपित ने पार्सल भेजने का दावा करते हुए व्हाट्सएप पर पैकिंग व ऑर्डर से संबंधित फोटो भी भेजी, लेकिन सामान कभी नहीं पहुंचा। जब पीड़ित ने बार बार संपर्क करने की कोशिश की, तो आरोपित का मोबाइल फोन बंद मिलने लगा। इस धोखाधड़ी से उसे मानसिक व आर्थिक नुकसान हुआ।

200 बैड के निर्माणाधीन अस्पताल के बेसमेंट में लगातार भर रही गंदगी

50 लाख खर्च, नहीं सुलझी अस्पताल की सीवर समस्या, बड़ी लाइन से जोड़ी

- *दिसंबर में डाली गई थी नई पाइप लाइन, समाधान नहीं*
- *अब मुख्य सीवर लाइन से जोड़ा गया कनेक्शन*

राजकुमार ▶▶| नारनौल

करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे 200 बैड के आधुनिक नागरिक अस्पताल भवन का निर्माण कार्य पिछले कई महीनों से सीवर समस्या के कारण अटका हुआ है। हालत यह है कि करीब 50 लाख रुपये खर्च कर नई सीवर लाइन डालने के बावजूद निर्माणाधीन सात मंजिला अस्पताल भवन के बेसमेंट में भरी सीवर की गंदगी की निकासी नहीं हो सकी। अब एकबार फिर पीडब्ल्यूडी विभाग ने नई कवायद शुरू करते हुए अस्पताल की सीवर लाइन को मुख्य बड़ी सीवर लाइन से जोड़ने का कार्य शुरू किया है, जिससे इस लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।

दरअसल, गत 7 दिसंबर 2025 को पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा अस्पताल परिसर के आसपास खुदाई कर बड़ी सीवर पाइप लाइन डाली गई थी। उस समय दावा किया गया था कि नई लाइन जुड़ने के बाद निर्माणाधीन अस्पताल भवन के बेसमेंट में जमा सीवर का पानी आसानी से निकल जाएगा और निर्माण कार्य में आ रही बाधा दूर हो जाएगी। इसके लिए लगभग 50 लाख रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन नई लाइन डालने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी रही और पांच माह बीत गए, सीवर का पानी नहीं निकला। अस्पताल भवन के बेसमेंट में लगातार सीवर की गंदगी भरती रही है, जिसके चलते निर्माण कार्य पूरी तरह ठप है। बार-बार बेसमेंट में गंदा पानी भरने से भवन निर्माण एजेंसी को काम रोकना पड़ा और करोड़ों की परियोजना अधर में लटक गई।

> विभाग के अनुसार मुख्य सीवर लाइन से कनेक्शन जोड़ने के बाद उम्मीद की जा रही है कि निर्माण कार्य पर लगा ग्रहण हट सकेगा और अधूरा पड़ा अस्पताल भवन दोबारा गति पकड़ पाएगा। समाधान हो जाता है तो रुका हुआ निर्माण कार्य पुन: शुरू हो जाएगा

19 नारनौल। सड़क के बीचोंबीच बने सीवर होद को तोड़ती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

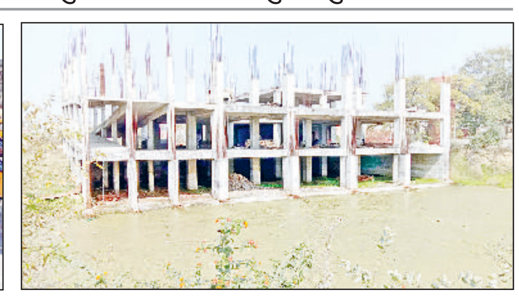

20 नारनौल। नागरिक अस्पताल का 200 बैड का अधूरा भवन, जहां भरी सीवर की गंदगी। फोटो : हरिभूमि

जल्द होगा समाधान

निर्माण एजेंसी से जुड़े ठेकेदार मनीष अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल भवन के बेसमेंट में भरी सीवर की गंदगी निकालने के लिए अब सीवर लाइन को मुख्य बड़ी लाइन से जोड़ा जा रहा है। संभवतया इससे समस्या का स्थाई समाधान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस बार उम्मीद काफी मजबूत है, क्योंकि अब निकासी सीधे बड़ी लाइन से होगी। उन्होंने बताया कि जैसे ही सीवर समस्या पूरी तरह हल होगी, अधूरे अस्पताल भवन के निर्माण के लिए दोबारा टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सरकार की योजना सात मंजिला आधुनिक अस्पताल भवन तैयार करने की है और समस्या का समाधान होते ही निर्माण कार्य पुनः शुरू हो सकेगा।

सड़क के बीच बने चैंबर को फिर तोड़ा गया

समस्या का समाधान नहीं होने पर अब विभाग ने दूसरी योजना पर काम शुरू किया है। अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क के बीचोंबीच पहले से दबाई गई बड़ी सीवर लाइन से निर्माणाधीन अस्पताल की लाइन को जोड़ने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सड़क के बीच बने सीवर चैंबर को दोबारा तोड़ा गया। गत दो दिनों में दो जेसीबी मशीनों की सहायता से चैंबर के ऊपरी हिस्से को तोड़कर मुख्य लाइन में भरे पानी को बाहर निकाला गया। इसके बाद अस्पताल परिसर की सीवर लाइन को मुख्य बड़ी लाइन से कनेक्ट किया गया, ताकि बेसमेंट में भरी गंदगी सीधे मुख्य सीवर लाइन के जरिए बह सके। अब चैंबर को पुनः पक्का आरसीसी ढांचे के रूप में तैयार किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को उम्मीद है कि यदि सीवर का पानी स्वतः बहना शुरू हो गया तो अस्पताल के बेसमेंट की सबसे बड़ी समस्या का स्थाई समाधान हो सकता है।

अस्पताल निर्माण पर लगा था ग्रहण

सरकार ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए वर्ष 2019 में 200 बैड के आधुनिक सात मंजिला अस्पताल भवन का टेंडर जारी किया था। अस्पताल बनने से न केवल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी थीं, बल्कि अस्पताल स्टॉफ को भी आधुनिक संसाधनों के साथ काम करने की सुविधा मिलती, लेकिन बेसमेंट में बार-बार सीवर की गंदगी भरने से पूरा निर्माण कार्य प्रभावित हो गया। कई बार पानी निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकल पाया। इससे अस्पताल प्रशासन, पीडब्ल्यूडी विभाग और आमजन सभी परेशान रहे।

कनीना। दुकानों के बाहर की गई आरएफ टैगिंग। *फोटो : हरिभूमि*

डोर टू डोर कचरा उठान योजना के तहत दरवाजे पर लगाए बार कोड

- कचरा संग्रहण प्रणाली के अंतर्गत आरएफ टैगिंग कार्य का करीब 50 फीसदी कार्य पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नगर पालिका प्रशासन की ओर से शहर में सुंदरता व स्वच्छता की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक व दुकान के गेट पर बार कोड लगाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके पूरा होते ही घर घर से कचरा एकत्रित करने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। कचरा संग्रहण प्रणाली के अंतर्गत आरएफ टैगिंग कार्य का करीब 50 फीसदी कार्य पूरा कर लिया गया है। आरएफ टैगिंग तकनीक के माध्यम से प्रत्येक घर, दुकान और संस्थान को एक यूनिक पहचान संख्या प्रदान की जा रही है। इस पहचान के जरिए यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कचरा संग्रहण नियमित रूप से हो रहा है या नहीं। साथ ही यह प्रणाली कचरा उठाने वाले वाहनों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी निगरानी रखने में मदद करेगी। इससे न केवल सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा, बल्कि लापरवाही की शिकायतों पर भी नजर रखी जा सकेगी।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना है, साथ ही नागरिकों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। आरएफ टैगिंग के जरिए डाटा एकत्रित कर सफाई कार्यों की योजना को और अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा। नगर पालिका प्रधान डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने नागरिकों से कहा कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग करें। उन्होंने कहा कि टीम जब आरएफ टैगिंग के लिए घर पहुंचे, तो नागरिक उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। यह योजना तभी सफल होगी जब प्रशासन और आमजन मिलकर प्रयास करेंगे। यह पहल न केवल शहर की स्वच्छता को नई दिशा देगी, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी को भी सुदृढ़ करेगी, जिससे एक स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर का सपना साकार हो सकेगा।नगर पालिका प्रशासन की ओर से शहर में सुंदरता व स्वच्छता की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

यादव सभा में चुनावी विवाद गहराया, एडहॉक कमेटी के कार्यकाल पर खींचतान हुई तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यादव सभा रजिस्टर्ड में चुनाव को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिला रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं सोसायटी नारनौल द्वारा जारी ताजा पत्र के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया फिलहाल रुकी हुई है और एडहॉक कमेटी के कार्यकाल को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। जिला रजिस्ट्रार द्वारा स्टेट रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर एडहॉक कमेटी के गठन या प्रशासन की नियुक्ति के लिए दिशा निर्देश मांगा है।

दस्तावेज के अनुसार, यादव सभा का पंजीकरण वर्ष 1997-98 में हुआ था तथा हरियाणा सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 2012 के तहत 30 मई 2013 को इसका नवीनीकरण किया गया। सभा में कुल 3052 सदस्य दर्ज हैं। सभा के कॉलेजियम के चुनाव के लिए 25 सितंबर 2025 को चुनाव कार्यक्रम जारी किया गया था। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्राप्त शिकायतों के चलते तत्कालीन जिला रजिस्ट्रार द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को सुनवाई की गई। इसके बाद 17 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी कर कुछ निर्णय लिए गए। हालांकि, इन आदेशों के खिलाफ बैरावास निवासी सुरेंद्र सिंह व सिगड़ा वासी सुरेंद्र कुमार द्वारा अपील दायर की गई, जिस पर राज्य रजिस्ट्रार, हरियाणा, चंडीगढ़ ने 23 अक्टूबर 2025 को चुनाव प्रक्रिया पर अगले आदेशों तक रोक लगा दी। इसी बीच, सभा की कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो गया, जिससे प्रशासनिक शून्यता की स्थिति उत्पन्न हो गई।

शिकायतकर्ता प्रदीप बालरोडिया ने उठाई मांग

शिकायतकर्ता प्रदीप बालरोडिया ने कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने का विरोध करते हुए नई कमेटी का गठन या प्रशासक नियुक्त करने की मांग उठाई है। पत्र के अनुसार, एडहॉक कमेटी का गठन 4 दिसंबर 2025 को किया गया था। इस कमेटी का कार्यकाल तीन मार्च 2026 को ही समाप्त हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद कमेटी के सदस्य गैर-कानूनी तरीके से सभा का संचालन कर रहे हैं।

देवीलाल पार्क में लगी आग दमकल टीम ने पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के ब्रह्मचारी रोड स्थित देवीलाल पार्क में अचानक आग लग गई। इस घटना में पार्क के लगभग 80 पौधे जलकर राख हो गए। आग लगने का कारण किसी राहगीर द्वारा फेंकी गई जलती हुई बीड़ी या सिगरेट को माना जा रहा है। पार्क की सूखी घास में चिंगारी सुलगने से आग तेजी से फैल गई। आग की लपटें और धुआं देखकर आसपास के दुकानदार मौके पर जमा हो गए। उन्होंने पहले अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ती देख फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब 20 से 25 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग से पार्क में लगे लगभग 80 पौधे जल गए। इसके अलावा, पार्क की सूखी घास भी जलकर राख हो गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। दुकानदार राजेंद्र ने बताया कि वह दुकान से घर जा रहा था। इस दौरान उन्होंने पार्क में आग देखी थी। जिसके बाद दमकल को फोन किया गया। उन्होंने आशंका जताई कि यहां अक्सर कुछ शरारती तत्व बीड़ी-सिगरेट पीते रहते हैं। दुकानदारों ने प्रशासन से ऐसे तत्वों पर रोक लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। दुकानदारों का कहना है कि अगर आग ज्यादा फैल जाती तो पास शॉपिंग कॉम्पलेक्स में नुकसान हो सकता था।

पलवल का वांछित होडल पुलिस को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

एसपी दीपक के सख्त निर्देशों और कुशल मार्गदर्शन में जिला पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार व्यापक अभियान चला रही है।

इस अभियान के तहत जिला पुलिस न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि दूसरे जिलों और राज्यों के वांछित अपराधियों को भी पकड़ कर संबंधित पुलिस के हवाले कर रही है। इसी कड़ी में सीआईए टीम ने पलवल जिले के एक मामले में वांछित चल रहे एक आरोपित को धर दबोचने में अहम सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपित की पहचान अहमद, निवासी खेड़ी तलवाना (कनीना) के रूप में हुई। आरोपित पलवल जिले के थाना होडल में धोखाधड़ी और जालसाजी की गंभीर धाराओं के तहत दर्ज मामले में वांछित था और वह गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस की पहुंच से बाहर चल रहा था। सीआईए टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित के गांव खेड़ी तलवाना क्षेत्र में दबिश देकर उसे काबू किया। जिसके बाद आरोपित को आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए थाना होडल, जिला पलवल पुलिस की टीम को सौंप दिया गया। जिला पुलिस ने केवल स्थानीय अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर रही है, बल्कि बाहरी क्षेत्रों के अपराधियों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाए हुए है। इससे पूर्व भी महेंद्रगढ़ पुलिस ने राजस्थान में दर्ज एक मामले के पीओ को पकड़कर राजस्थान पुलिस के सुपुर्द किया था। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है और इस प्रकार के विशेष अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। एसपी दीपक के सख्त निर्देशों और कुशल मार्गदर्शन में जिला पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार व्यापक अभियान चला रही है।

महेंद्रगढ़। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

ऑटो चालक ने सड़क पर मिले 50 हजार लौटाए

राजकुमार ▶▶| नारनौल

कुलताजपुर निवासी ऑटो चालक रामप्रसाद ने ईमानदारी की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी पूरे इलाके में सराहना हो रही है। सड़क किनारे पड़े 50 हजार रुपये मिलने पर रामप्रसाद ने बिना एक पल गंवाए पुलिस को सूचित कर पूरी रकम थाने में जमा करा दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामप्रसाद रोज की तरह ऑटो चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। शनिवार को वह सवारियां लेकर जा रहा था, तभी पहाड़ियों के पास सड़क किनारे उसे 50 हजार रुपये पड़े मिले। आर्थिक तंगी से जूझ रहे रामप्रसाद के मन में रकम देखकर भी लालच नहीं आया। उसने तत्परता दिखाते हुए तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिटी थाना से एसआई पंकज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जहां रामप्रसाद ने पूरी ईमानदारी से 50 हजार रुपये की रकम उनके सुपुर्द कर दी।

नारनौल। पुलिस को रुपये सौंपते ऑटो चालक रामप्रसाद।

महिला कॉलेज में यूजी व पीजी में करीब 1200 सीटों पर होंगे दाखिले

कॉलेज में छात्राओं के लिए तैयार होगी क्रिकेट पिच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय महिला महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार संस्थान में प्राध्यापकों की कमी पूरी कर दी गई है। यूजी और पीजी की विभिन्न संकायों में करीब 1200 सीटों पर दाखिले होंगे। पहले विज्ञान संकाय में शिक्षकों की कमी थी, लेकिन अब हर विषय में दो-दो प्राध्यापक नियुक्त कर दिए गए हैं। महाविद्यालय में बीए, बीएससी (मेडिकल व नॉन मेडिकल), बीकॉम और बीए अंग्रेजी ऑनर्स जैसे कोर्स संचालित हो रहे हैं। नए सत्र के लिए छात्राओं के लिए नए डेस्क की व्यवस्था की गई है। साथ ही, प्रयोगशालाओं को भी सुदृढ़ करने की तैयारी चल रही है ताकि छात्राएं कॉलेज में ही प्रैक्टिकल कर सकें। ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और दाखिले से संबंधित सभी जानकारी वहीं उपलब्ध है। संस्थान ने स्पष्ट किया है कि इस सत्र में न तो फीस और सीटों में बदलाव किया गया है और न ही कोई नया विषय शुरू किया गया है। कॉलेज में फिलहाल एक क्रिकेट पिच है। इसके अलावा, ओपन जिम व वेट लिफ्टिंग, दौड़ के लिए मैदान की सुविधा प्रदान की गई हैं। हाल ही में शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक की नियुक्ति हुई है। अब छात्राएं विभिन्न खेलों की तैयारी कर सकती हैं और इसी साल दूसरी क्रिकेट पिच तैयार की जाएगी। यहां की छात्राएं सीयूएच की टीम में भाग लेती हैं और विवि का प्रतिनिधित्व करती हैं।

महेंद्रगढ़। महिला कॉलेज का भवन। फोटो : हरिभूमि

तैयारी शुरू

संस्थान में नए सत्र के दाखिले के लिए तैयारी शुरू हो चुकी है और इसके लिए हेल्प डेस्क बनाया गया है। सात से 31 मई तक युवा ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, जबकि एक मई तक गलती ठीक, जबकि 2 जून को ऑब्जेक्शन सूची प्रकाशित होगी। 4 जून से फिजिकल काउंसलिंग की जाएगी।

—डॉ. मक्खन सिंह, दाखिला नोडल अधिकारी, महिला महाविद्यालय, महेंद्रगढ़।

ये रही कोर्स और सीटों की स्थिति

कोर्स -	सीटों की संख्या
बीए -	720
बीएससी मेडिकल -	80
बीएससी नॉन मेडिकल -	80
बीकॉम -	160
बीए अंग्रेजी ऑनर्स -	40
एमए अंग्रेजी -	40
एमएससी भूगोल -	40
एमकॉम -	40

श्री अनाथ गोशाला में बैठक आयोजित

नारनौल। निजामपुर रोड स्थित श्री अनाथ गोशाला में रविवार आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक गोशाला के संरक्षक जयप्रकाश मांदी की देखरेख में आयोजित की गई। सर्वप्रथम गोशाला के प्रधान रहे आकाश यादव के निधन पर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में गोशाला के सदस्यों के अलावा कुछ गोभक्त भी मौजूद रहे। बैठक में गोशाला की अनेक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई, जिसमें वहां मौजूद लोगों ने अपने विचार रखे। बैठक में कुछ सदस्य नहीं पहुंच पाने के कारण आगामी 10 मई को पुनः बैठक करने का निर्णय लिया गया। इस मौके प्रधान उज्जन पाल, अजीत यादव, विपिन, सुनील यादव, बद्रीप्रसाद गर्ग, अरूण नूनीवाला आदि रहे।

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।
- रविंद्रनाथ टैगोर

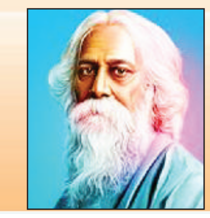

कहानी

डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ू सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुज़ुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाज़ा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते है। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी- वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।

वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

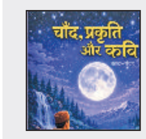

समीक्षक

डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ़्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा
कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़्में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता | सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

व्यंग्य | विनीत पाण्डेय

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतजार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज़, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज़ और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

अर्जुन स्कूल की ज्ञान प्रतियोगिता में छाए छात्र

निजामपुर। नापला गांव में संचालित अर्जुन पब्लिक स्कूल में ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें संस्था के चेयरमैन सतपाल भालोठिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान वर्धन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि क्वीज प्रतियोगिता को टैगोर हाउस, रमन हाउस, विवेकानंद हाउस और रामानुजन हाउस समेत चार हाउसों में विभाजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान, करंट अफेयर्स, इतिहासए विज्ञान और खेल से जुड़े प्रश्न पूछे गए है। इस दौरान टैगोर हाउस में 50 में से 48 प्रश्नों का स्टीक जबाव देकर प्रथम स्थान अर्जित किया। रमन हउस ने 44 अंक हासिल करके द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। विवेकानंद हाउस ने 42 तथा रामानुजन हाउस ने 39 अंक लेकर तृतीय स्थान पाया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल ज्ञान में वृद्धि करती हैं, बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

तीन लेयर सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण संपन्न हुई नीट परीक्षा, जिले के 9 केंद्रों पर 3800 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 59 रहे अनुपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

जिले में रविवार को आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिले में बनाए गए नौ परीक्षा केंद्रों पर करीब 3800 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 59 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को नकलमुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। परीक्षा के नोडल अधिकारी केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा के प्राचार्य ओमप्रकाश यादव रहे, जबकि अतिरिक्त

नारनौल। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले रोल स्लीप की जांच करती पुलिस।

उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने बतौर ऑब्जर्वर पूरे परीक्षा संचालन पर निगरानी रखी। परीक्षा शुरू होने से तीन घंटे पहले सुबह 11 बजे से ही केंद्रों पर प्रवेश शुरू कर दिया गया था, जिससे अधिक भीड़भाड़ नहीं हुई। नारनौल के परीक्षा केंद्रों पर महेंद्रगढ़, चरखी दादरी और भिवानी जिलों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी पहुंचे।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए चली विशेष बसें

रोडवेज विभाग ने परीक्षार्थियों को समय पर केंद्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष बस सेवाएं चलाईं। नारनौल और महेंद्रगढ़ के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए, जिन पर मिनी बसों और रोडवेज बसों का संचालन किया गया। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर शाम 5:20 बजे तक चली। इस दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेटों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकलमुक्त माहौल में संपन्न हुई।

तीन चरणों में हुई जांच

परीक्षार्थियों को केंद्रों में प्रवेश से पहले तीन लेयर सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। पहले चरण में एडमिट कार्ड जांचे गए, दूसरे चरण में मेटल डिटेक्टर से स्क्रीनिंग हुई और तीसरे चरण में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाई गई। साथ ही केंद्रों पर वीडियोग्राफी भी करवाई गई। पुलिस ने परीक्षा केंद्रों से 100 मीटर दूर वाहनों को रुकवाया ताकि जाम और अव्यवस्था की स्थिति न बने। परीक्षार्थियों को केवल एडमिट कार्ड और पारदर्शी पानी की बोतल ही अंदर ले जाने की अनुमति दी गई।

कंट्रोल रूम से की निगरानी

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देशों पर जिला महेंद्रगढ़ में रविवार को नीट परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने स्वयं कंट्रोल रूम से व्यवस्थाओं की निगरानी की, जबकि पुलिस अधीक्षक दीपक सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहे। लघु सचिवालय स्थित कंट्रोल रूम में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया और डीआईओ प्रशांत कुमार मौजूद रहे। गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर ठंडे पेयजल, छाया और विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए व्हीलचेयर व सुगम रास्तों की व्यवस्था की गई।

खबर संक्षेप

मोती नगर हुआ राधामय गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 193वीं प्रभात फेरी मोती नगर नजदीक सुभास पार्क से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान महेंद्र सैनी, विकास सैनी परिवार के सदस्यों ने पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित की। संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान से शुरू होकर मोती नगर, सिंघाना रोड, राजा गार्डन, सुभाष पार्क के विभिन्न मार्गो से होकर मुख्य यजमान के निवास पर संपन्न हुई। अलसुबह प्रभात में ठाकुर जी व युगल सरकार की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाया। सीताराम चौबे ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर संगठन की ओर से आठ दिवसीय प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। आचार्य शुभम शर्मा ने बताया कि 10 मई की प्रभात फेरी मनमोहन शर्मा पुरानी मंडी से शुरू होगी। अंत में ठाकुर जी की आरती कर सनातन धर्म के जयकारों के साथ सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए करें जरूरी प्रबंध

महेंद्रगढ़। भीषण गर्मी के चलते जहां इंसान ही नहीं बल्कि पशु-पक्षी भी भारी संकट का सामना कर रहे हैं, वहीं समाज के जागरूक नागरिक उनकी सहायता के लिए आगे आ रहे हैं। इसी क्रम में सामाजिक कार्यकर्ता विनय भारद्वाज एवं धर्मेंद्र भारद्वाज ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए पशु-पक्षियों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था शुरू की है। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर दाना-पानी की व्यवस्था कर लोगों से भी अपील की है कि इस भीषण गर्मी में बेजुबान जीवों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे पक्षियों को पानी और पशुओं को भोजन मिलने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में हर व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि अपने घर, छत या आसपास के क्षेत्रों में पानी के बर्तन और दाना रखें।

नई ट्रेनों का ठहराव, विस्तार, फेरे बढ़ाने व ट्रेनों का समय परिवर्तन करने की मांग

मांगों को लेकर दैनिक रेलयात्री महासंघ ने रेलमंत्री को भेजा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने अपनी मांगों को लेकर स्टेशन मास्टर सरिता को प्रधानमंत्री, रेलमंत्री, सांसद व रेलवे के उच्च अधिकारियों के नाम एक लिखित ज्ञापन सौपा। महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि महेंद्रगढ़ के आदर्श रेलवे स्टेशन पर नई ट्रेनों का ठहराव, विस्तार, फेरे बढ़ाने व ट्रेनों का समय परिवर्तन करने की मांगों को लेकर एक लिखित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन प्रदेश के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक है, लेकिन वर्तमान में अमृत रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं का कार्य जोरों पर है। महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 12259-60 सियालदह दुरंतो से बीकानेर, इस एक गाड़ी का महेंद्रगढ़ के आदर्श रेलवे स्टेशन पर ठहराव कराया जाए। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 19701-2 सैनिक एक्सप्रैस जयपुर-दिल्ली का विस्तार चंडीगढ़ तक करने, गाड़ी संख्या 54789-90 बीकानेर रेवाड़ी-पैसेंजर का विस्तार दिल्ली तक तथा हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर से

महेंद्रगढ़। स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

सादलपुर तक एक या दो गाड़ियों का विस्तार रेवाड़ी तक करने, बीकानेर, जोधपुर, गंगानगर वाया महेंद्रगढ़ बीकानेर से सुबह चार बजे एक नई इंटरसिटी दिल्ली सराय रोहिल्ला तक चलाने, जोधपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर से महेंद्रगढ़ के रास्ते राजधानी चंडीगढ़ के लिए प्रतिदिन एक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने, जिससे राजस्थान को भी रेलवे से कनेक्टिविटी मिल जाएगी। दिल्ली से लुहारू तक दो ईएमयू नई ट्रेन चलाने, महेंद्रगढ़ रूट पर तीर्थ स्थान के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी की एक सुपरफास्ट नई ट्रेन चलाने की मांगे उठाई है। इन गाड़ियों की विस्तार की मांग गाड़ी संख्या 15623-24 कामख्या से वाया महेंद्रगढ़ भगत की कोठी को एक दिन बढ़ाकर सप्ताह में तीन दिन तक करने, गाड़ी संख्या 12371-72 हावड़ा से बीकानेर एक दिन की बजाय सप्ताह में तीन दिन चलाने, गाड़ी संख्या 14713-14 दिल्ली-सीकर दो दिन के बजाय प्रतिदिन चलाई जाए। गाड़ी संख्या 22481-82 जोधपुर-दिल्ली, गाड़ी संख्या 12457-58 बीकानेर दिल्ली, गाड़ी संख्या 19701-02 सैनिक जयपुर-दिल्ली, गाडी संख्या 14727-28 श्रीगंगानगर-दिल्ली इन चारों गाड़ियों का रात्रि के समय दिल्ली आने जाने में एक घंटे के समय का बदलाव किया जाए।

ये मिलनी चाहिए सुविधा

रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ सेक्शन पर ऑटोमेटिक सिंगल की सुविधा तथा रेवाड़ी से महेंद्रगढ़ रेलवे लाइन का दोहरीकरण, रेवाड़ी-सादलपुर रेलवे लाइन का दोहरीकरण जल्द करवाने, महेंद्रगढ़ स्टेशन पर टिकट एक्सामिनियर की पोस्ट खोली जाए। इसके अलावा भी क्षेत्र के रेल यात्रियों की अनेक समस्याओं पर सांसद को अवगत करवाया गया। इस मौके पर सतबीर, अजीत, अशोक, पंकज, रामबीर, बाबुलाल, कंवर सिंह, संजीव, अजय, कुलभूषण सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखते हुए। फोटो: हरिभूमि

पक्षियों के लिए लगाए जाएंगे पानी के सकोरे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

नर नारायण सेवा समिति नारनौल की बैठक रविवार को महावीर चौक स्थित शिव मंदिर, टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे आयोजित की गई। बैठक में बढ़ती गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी के सिकोरे रखने तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों पर चर्चा की गई। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न स्थानों पर पानी के सिकोरे रखे गए हैं। इसके साथ ही आगामी 10 मई, रविवार को सुबह 8 बजे चितवन वाटिका में विशेष अभियान चलाया जाएगा। समिति की ओर से शहरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने साथ पांच-पांच पानी के सिकोरे लेकर पहुंचें, जिन्हें एकत्रित कर जरूरत वाले स्थानों पर रखा जाएगा। समिति के प्रधान रामसिंह मधुर ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर यात्रियों के लिए वॉटर कूलर लगाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि यह कार्य शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा ताकि गर्मी में यात्रियों को राहत मिल सके। बैठक में संजय गर्ग, राजकुमार कौशिक थानेदार, डॉ. दिनेश शर्मा (पूजा हॉस्पिटल) तथा पूर्व एएसडीओ संजय सिंघल को समिति का आजीवन सदस्य बनाए जाने पर सभी सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

लिया निर्णय

इसके अलावा यह निर्णय लिया गया कि समिति की मासिक बैठक प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुबह 10 बजे शिव मंदिर में आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रधान रामसिंह मधुर, सचिव सत्यवीर मास्टर, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, धर्मपाल शर्मा, मुखराम सैनी, शिवलाल वर्मा, सुमन बहन, भारतभूषण तयाल, विकास अग्रवाल, सुभाष संघी व सतीश सैनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

यदुवंशी में सीबीएसई की कार्यशाला में दिखाई प्रतिभा

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में नई शिक्षा नीति के तहत सीबीएसई के क्षमता निर्माण कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना व कक्षा में छात्रों की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाना था। कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति अनीता यादव व पूनम नेहरा उपस्थित रही। उन्होंने अपने संबोधन में जोर दिया कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि छात्रों को गतिविधियों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्राचार्य नरेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। संस्थान के डायरेक्टर सुरेश यादव ने विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए कहा कि बदलती शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षकों को खुद को अपडेट रखना अनिवार्य है। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि यदुवंशी संस्थान हमेशा से ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे कार्यशाला में सीखी गई बातों को धरातल पर उतारें, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

बाबा नानूगंवाला मंदिर में लगे भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

मंडी अटेली। गांव अटेली में स्थित बाबा नानूगंवाला मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया जहां क्षेत्र के विभिन्न गांवों के श्रद्धालुओं ने भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। बाबा की समाधि पर श्रृद्धालुओं ने माथा टेककर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की भंडारे की पूर्व संध्या पर कलाकारों द्वारा जागरण किया गया। जानकारी के अनुसार गांव अटेली में बाबा नानू वाला मंदिर परिसर में एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धा अनुसार चंदा देकर बाबा के नवनिर्मित भवन में आहुति डाली जा रही है, ग्रामीणों द्वारा बढ़-चढ़कर चंदा दिया जा रहा है। यह मंदिर अब भव्य मंदिर के रूप में जाना जाएगा। गांव में मंदिर के साथ खेल का मैदान भी तैयार किया जाएगा, जिसमें युवा मनोरंजन कर सकेंगे श्रद्धालुओं द्वारा दिल खोलकर चंदा दिया जा रहा है, जिसमें भगवान नानक वाला महाराज के आलोक की मूर्ति स्थापित की जाएगी तथा शिव परिवार मंदिर भी बनाया जाएगा। गांव में मंदिर निर्माण की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

तापमान में उतार-चढ़ाव जारीः गर्मी से नहीं मिल रही राहत

नारनौल। क्षेत्र में अप्रैल माह में मौसम में बड़े उतार चढ़ाव देखने को मिला। अप्रैल महीने पहले पखवाड़े में तेज गति की हवाओं के साथ बारिश, ओलावृष्टि तथा इसके बाद दूसरे पखवाड़े में तापमान में रिकॉर्ड तोड़ बढ़ोतरी व अन्तिम दिनों में फिर से आंधी अंधड़, हल्की बारिश, बूंदाबांदी व ओलावृष्टि हुई। अब मई महीने में मौसम में बड़े बदलाव व उलट-फेर देखने को मिलेगा। आमतौर मई महीने में आग उगलने वाली भीषण गर्मी अपने तेवरों को प्रचंड बना लेती है और तापमान में भारी उफान के साथ हीट वेव लूं का कहर देखने को मिलता है, लेकिन इस बार मई महीने में मौसम में उलटफेर देखने को मिलेगा। जिसमें नौतपा सबसे प्रमुख है, जो 25 मई से दो जून के बीच आता है। आमतौर आमजन में यह कहावत है 'तपै नवतपा नव दिन जोय, तौ पुन बरखा पूरन होय' (जितनी ज्यादा गर्मी, उतनी अच्छी बारिश) जिसकी धार्मिक मान्यता है कि जितना तपेगा उतनी अच्छी मानसून होगा। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि मई महीने में सात-आठ पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे।

हाउसिंग बोर्ड एसोसिएशन सिसोठ की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सिसोठ में हाऊसिंग बोर्ड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की एक आमसभा का आयोजन प्रधान शमशेर सिंह की अध्यक्षता में हुई। संचालन कमेटी के सचिव मास्टर नित्यानंद ने किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में वर्ष 2025 मे किए गए कार्यो का लेखा जोखा पेश करके उसका ऑडिट करवाने बारे विचार विमर्श करना था। इसके साथ-साथ आगे की रणनीति बनाकर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी को स्वच्छ और सुंदर बनाने की व्यवस्था करवाना, सीवरेज व्यवस्था ठीक करने, खराब स्ट्रीट लाईट को ठीक करवाना रहा। प्रधान शमशेर सिंह व सचिव मास्टर नित्यानंद ने पार्क में बैठने के सिमेंट की कुर्सी लाने की बात कहीं, जिस पर सभी कमेटी सदस्यों ने अपनी सहमति दी। प्राचार्य कृष्ण कुमार व मुकेश चौहान ने कॉलोनी की गालियों से पानी निकासी के समाधान की बात रखी, जिसको मॉनसून आने से पहले पानी निकासी करवाने के बात पर सहमती बनी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष शिवलाल, गोपीचंद यादव, सूबेदार सतबीर, मुकेश चौहान, संजय यादव, नरेंद्र दरोगा, राकेश मास्टर, कृष्ण प्राचार्य, रविंद्र आदि रहे।

गोष्ठी कार्यक्रम में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने किया शिक्षकों का सम्मान

बुद्ध पूर्णिमा से पोखरण तकः शांति व शक्ति पर मंथन

शक्ति और शांति का समन्वय ही सनातन की असली पहचान : डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से मोती नगर स्थित स्थल पर बुद्ध पूर्णिमा से पोखरण तक, शांति और शक्ति का समन्वय विषय पर विचार गोष्ठी एवं हवन का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व अजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक शांति परंपरा व आधुनिक वैज्ञानिक शक्ति के बीच संतुलन को समझना व समाज में सकारात्मक संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में संयोजक एवं मुख्य वक्ता डॉ. संजय शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत ने

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान सम्मानित करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

जहां एक ओर भगवान बुद्ध के माध्यम से विश्व को शांति का संदेश दिया, वहीं पोखरण परमाणु परीक्षण के जरिए अपनी सामरिक शक्ति का परिचय भी दिया। यह समन्वय ही भारत की वास्तविक पहचान है, जो विश्व शांति और आत्मरक्षा दोनों को समान महत्व देता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शक्ति और शांति का समन्वय ही सनातन की पहचान है। इस अवसर पर हवन का आयोजन आचार्य रामसिंह मधुर के सानिध्य में संपन्न हुआ। जिसमें उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने आहुति देकर राष्ट्र की उन्नति और शांति की कामना की। कार्यक्रम के दौरान भौतिकी विज्ञान से जुड़े पांच शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ट्रस्ट की ओर से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में चंचल भारद्वाज प्रवक्ता भौतिकी, कुलदीप शर्मा प्रवक्ता भौतिकी, रीना शर्मा प्रवक्ता भौतिकी, सौरभ दहिया प्रवक्ता भौतिकी व ऋतु शर्मा विज्ञान अध्यापक शामिल रहे। सभी को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पूर्व बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा व प्रवक्ता अमीचंद सैनी ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ शिक्षकों के योगदान को भी पहचान देने का कार्य करते हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विपिन शर्मा, कृष्ण शर्मा एडवोकेट, सौरभ यादव, सुरेश शर्मा, अमीचंद सैनी, इन्द्रजीत यादव, देवदत्त शर्मा, ट्रस्टी भीमसेन शर्मा, राकेश शर्मा, सोमदेव शर्मा, अनिल शर्मा एडवोकेट, बनवारीलाल एडवोकेट, जगदीश प्रसाद, अजय शर्मा, मीना शर्मा, मुकुल, हिरेन, साक्षी, विद्या देवी, जय भगवान व बड़ी संख्या में शिक्षकों, बुद्धिजीवियों तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

गोवंश के लिए सवामणी लगाकर कमाया पुण्य

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में संस्थान के सदस्यों ने गो पूजन कर सवामणी का आयोजन किया। सर्वप्रथम मनीष निर्मल शास्त्री ने प्रहलाद सोनी, प्रदीप सोनी, सुरेश शर्मा, राकेश बंसल, प्रदीप संघी व संस्था के सभी सदस्यों से श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का विधि विधान से गोपूजन करवाया। गोमाता की आरती करवाई। इसके उपरांत गोवंश को हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई। इस अवसर पर संस्था के प्रधान महेंद्र नूनीवाला ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता हैं। गाय की सेवा करने से मनुष्य के सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। गोसेवा व दान पुण्य करने से विशेष फल की प्राप्ति होती हैं। इस मौके पर सुरेश शर्मा उपप्रधान, सहकोषाधयक्ष विनोद सोनी, संजय सैनी, राजेन्द्र गुप्ता, बजरंग शास्त्री, एडवोकेट रितेश संघी, पवन शर्मा, एडवोकेट राजकुमार चौधरी, वेदप्रकाश बंसल, दीपक बंसल, संजय सैनी, तुलसी गोयल, मिडिया प्रभारी सोमदेव शर्मा, राकेश बंसल, संतरा सोनी, मधु सोनी, मंजू शर्मा, मंजू भालोठिया, पूजा शर्मा, रेखा संघी, पिंकी शर्मा, उन्नति शर्मा, पूर्वी शर्मा, लक्षिका शर्मा, देवांशी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्रभात फेरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

नारनौल। श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार 172वीं फेरी श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। राधा कृष्ण पार्क स्थित स्कूल के पास से शुरू हुई इस प्रभात फेरी में यजमान राधा कृष्ण योगा ग्रुप महिला मंडल ने परिवार सहित भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान राधे राधे के जयकारों और ढोल नगाड़ों की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं व पुरुष सभी भक्ति रस में लीन नजर आए। वहीं जगह जगह लोगों ने अपने घरों की छतों से फूल बरसाए, श्रीराधा संकीर्तन रथ के साथ कई स्थानों पर ठाकुर जी की आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। प्रभात फेरी के समापन पर सभी सनातन धर्म के जयकारों के साथ प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही आगामी प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला देवस्थान निवासी रविंद्र चौधरी के निवास स्थान पर किए जाने की सूचना दी गई।

खबर संक्षेप

बाछौद में फिरनी पर कब्जे का लगाया आरोप

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव बाछौद में सार्वजनिक फिरनी पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अटेली नांगल को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि गांव की फिरनी जो दक्षिण दिशा में स्थित है और जिसकी चौड़ाई करीब 33 फीट है उस पर कुछ लोगों द्वारा लगातार कब्जा किया जा रहा है। आरोप है कि कई जगहों पर फिरनी की जमीन पर निर्माण कार्य कर उसे संकड़ा कर दिया गया है जिससे आम रास्ता प्रभावित हो रहा है।

बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु पांच मई को विशेष बिजली अदालत एवं बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन करेगा। यह कार्यक्रम बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आठ मई को

नारनौल। जिले में आगामी छह से आठ मई तक भारत सरकार के अधिकारियों का एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान फरीदाबाद की ओर से आयोजित इस 33वें प्रोफेशनल ट्रेनिंग कोर्स के तहत भारतीय नागरिक लेखा सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा व वित्त सेवा और भारतीय लागत एवं लेखा सेवा के ग्रुप ए अधिकारी जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य इन प्रशिक्षु अधिकारियों को हरियाणा सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं जैसे अंत्योदय सरल, सक्षम हरियाणा और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के जमीनी क्रियान्वयन से रूबरू करवाना है।

'डर के कारण भाजपा में गए नेता', नए जिलाध्यक्ष गिरिश खेड़ा का बड़ा हमला

बोले-ईडी और सीबीआई के डर से आप छोड़ रहे नेता, भाजपा की 'वॉशिंग मशीन' पर भी कसा तंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आम आदमी पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष गिरिश खेड़ा ने भाजपा और पार्टी छोड़कर गए नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए नेताओं ने 'कायरता' का परिचय दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का डर दिखाकर विपक्षी नेताओं को भाजपा में शामिल कराया जा रहा है।

रविवार को मोहल्ला केशव नगर स्थित आधारशिला प्राइमरी स्कूल प्रांगण में आयोजित पत्रकार वार्ता में गिरिश खेड़ा ने आक्रामक अंदाज में कहा कि अगर पार्टी छोड़ने वाले नेताओं में हिम्मत होती तो वे अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की तरह संघर्ष करते, न कि भाजपा के सामने "सरेंडर" करते। उन्होंने कहा कि 2 अप्रैल को ईडी की कार्रवाई हुई और मात्र 13 दिन बाद 15 अप्रैल को संबंधित नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया।

खेड़ा ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है।

उन्होंने कहा कि जो नेता कुछ समय पहले तक आम आदमी पार्टी और उसके नेतृत्व की तारीफ करते नहीं थकते थे, वही आज भाजपा में शामिल होकर आप पर आरोप लगाने लगे हैं। उनके अनुसार इन नेताओं को डर है कि यदि भाजपा में नहीं गए तो उन्हें भी जेल भेज दिया जाएगा।

उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह पार्टी पहले विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचारी बताती है और उन पर ईडी की रेड करवाती है, लेकिन जैसे ही वही नेता भाजपा में शामिल हो जाते हैं, वे अचानक 'ईमानदार' बन जाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के पास ऐसी 'वॉशिंग मशीन' है, जिसमें शामिल होते ही सारे आरोप धुल जाते हैं। जैसे गंगा में नहाकर पवित्र हो जाते हैं।

हरियाणा में मजबूती से सक्रिय होगी आम आदमी पार्टी

नारनौल। केशव नगर में पत्रकारवार्ता करते नवनियुक्त आप जिलाध्यक्ष गिरिश खेड़ा।

संगठन विस्तार के लिए पीएसी गठन

पत्रकार वार्ता के दौरान गिरिश खेड़ा ने अपनी नियुक्ति के लिए राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता तथा आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताकर बड़ी जिम्मेदारी दी है, जिसका वह पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि संगठन को मजबूत करने के लिए जिले में पोलिटिकल अफेयर कमेटी (पीएसी) का गठन भी किया गया है। यह कमेटी क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने, आम लोगों को पार्टी से जोड़ने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का कार्य करेगी। खेड़ा ने कहा कि आम आदमी पार्टी आने वाले समय में पंजाब और गुजरात के चुनावों पर फोकस कर रही है, वहीं हरियाणा में भी पार्टी नगर निकाय चुनावों सहित जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान है और आम आदमी पार्टी इन मुद्दों को मजबूती से उठाएगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जयसिंह सैनी, विवेक भटनागर, हरेंद्र शर्मा, भूतपूर्व फौजी करण सिंह, सोमवीर, कैप्टन विक्रम सिंह, हवासिंह, रामदेव, राजेश कुमार, राजेंद्र जैलदार, अशोक कुमार, मनीष खन्ना, अनुपम गौड़, मनोज कुमार, संजय सैनी, विजय सिंह, निर्मल सिंह, उत्तम, सुरेश कुमार एवं आयुष यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान के सीमावर्ती गांवों के लोगों की ओर से आयोजित सम्मान समारोह

अहीरवाल की राजनीति पर नकारात्मकता का कब्जा : पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नांगल चौधरी के पूर्व विधायक एवं पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने नारनौल हलके में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्भाग्यवश अहीरवाल की राजनीति एक नकारात्मकता के दौर से गुजर रही है। जहां कथित बड़े नेता व्यक्तिगत अहंकार की संतुष्टि के लिए क्षेत्र की बड़ी बड़ी परियोजनाओं को पीछे धकेलने में ही अपनी ऊर्जा लगा रहे हैं। यादव रविवार को राजस्थान बार्डर से सटे कांवी की ढाणी में अपने सम्मान में आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन राजस्थान के सीमावर्ती गांवों के लोगों की ओर से यादव की ओर से भूजल रिचार्ज की दिशा में किए गए काम के लिए एक तरह का धन्यवाद एवं सम्मान समारोह था। जब बॉर्डर के साथ लगते हुए हरियाणा के जोहड़, तालाब व कृष्णावती नदी में वर्षा ऋतु में नहरी पानी भरा गया, तो पड़ोसी राजस्थान के गांवों को भी इससे उल्लेखनीय लाभ हुआ, क्योंकि हवा और पानी जब बहते हैं, तो वह राजनैतिक सीमाओं की परवाह नहीं करते। हजारों की संख्या में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों ने यादव का गर्मजोशी से सम्मान किया। लगभग तीन किलोमीटर लंबे ट्रैक्टर व वाहनों के काफिले के साथ उन्हें समारोह स्थल तक ले जाया गया। रास्ते में पड़ने वाले गांवों व ढाणियों में लोगों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। यादव ने कहा कि जहां देश के प्रधानमंत्री भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए दिन रात प्रयत्नशील है और मुख्यमंत्री हरियाणा को उसी गति से आधुनिक एवं विकसित हरियाणा बनाने के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं। वहीं अहीरवाल के बड़े नेताओं को आर्बिटल रेल कॉरिडोर पर बनने वाले पांच आधुनिक शहरों को बनाने की परियोजना पर भी आपत्ति है और वह सार्वजनिक रूप से घोषणा कर रहे हैं कि वह इस परियोजना को पूरा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस 10 वर्ष के कार्यकाल में उन्हें काम करने कि खुली छूट और पूरा अवसर दिया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश एक एक करके उनके अथक प्रयास से लाई गई परियोजनाओं को प्रयत्नपूर्वक पीछे धकेलने का काम किया।

नारनौल। सभा में पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव को हल भेंट करते हुए।

कुछ को भ्रम, लोगों के दिलों से निकाल देंगे

यादव ने बेबाक बोलते हुए कहा कि यदि कुछ लोगों को यह भ्रम है कि वह अपने अहंकार के बल पर उनको लोगों के दिलों से निकाल देंगे तो ऐसा भ्रम न पालें। उन्होंने पूरे 10 साल लोगों के बीच रह कर लोगों की समस्याओं को यथार्थ में समझा है और उनका समाधान निकाला है। उनके किए हुए कामों का परिणाम न केवल धरती पर दिखाई देता है, बल्कि लोगों में खुशहाली का एक नया दौर लेकर आया है तथा लोगों ने उनके प्यार को आत्मसात कर लिया है। उन्होंने कहा कि बड़े लोगों की राजनीति बड़ी हो सकती है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि उनका दिल भी बड़ा हो। इसलिए यदि उनकी पसंद के बाहर यदि किसी व्यक्ति के काम की प्रशंसा होती है, तो उनके दिल में इसे समाने के लिए जगह की कमी इन्हें परेशान कर जाती है।

युवाओं के भविष्य में भी रोड़े अटकाने की कोशिश

लॉजिस्टिक हब जैसी बड़ी परियोजना के बारे में उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के युवाओं के भविष्य की इस परियोजना में भी बार बार रोड़े अटकाने की कोशिश की जा रही है। सार्वजनिक रूप से इस परियोजना की जमीन खरीद की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सबूत देने की बात की गई थी, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी उक्त नेताजी ने अभी तक सबूतों के बारे में खामोशी साध रखी है। उन्होंने कहा कि ऐसे चेहरा छुपाने से बात नहीं बनेगी या तो सबूतों के साथ सामने आएं या सार्वजनिक रूप से इतने बड़ी परियोजनाओं को बदनाम करने के लिए माफी मांगे। यादव ने कहा कि आपको किसी से व्यक्तिगत कुंठा हो सकती है, लेकिन जब आप किसी सार्वजनिक विषय पर बोलते हैं तो आप जितने बड़े नेता हैं, उतनी ही बड़ी आपकी जिम्मेवारी भी होती है और आप से सार्वजनिक रूप से झूठ बोलने की अपेक्षा नहीं की जाती। सार्वजनिक हितों को व्यक्तिगत कुंठा का शिकार बनाना बड़प्पन नहीं है।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने चलाया पर्यावरण अभियान

नारनौल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और धरती को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से हरित वसुंधरा आधार समिति सदस्यों ने रविवार सुबह स्वर्ग आश्रम नजदीक गोमाता उपचारशाला परिसर में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने मिलकर पौधों की देखरेख की, जिसमें गुड़ाई निराई, खाद डालना तथा टैंकर के माध्यम से नियमित सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल रहे। टीम ने पूरे समर्पण के साथ पौधों की स्थिति का निरीक्षण किया और उनकी सुरक्षा व वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। अभियान के दौरान खराब हो चुके पौधे को हटाकर उसकी जगह नया पौधा रोपित किया गया, जो पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। यह कार्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पौधों की निरंतर देखभाल और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। इस नेक कार्य में हरित वसुंधरा परिवार के समर्पित सदस्य राकेश कुमार ने नए पौधे का पूरा खर्च सहर्ष वहन किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ व हरित वातावरण तैयार करना है।

कांग्रेस नेता को रेवाड़ी व धारूहेड़ा में प्रचार अभियान की सौंपी जिम्मेदारी

नारनौल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस द्वारा प्रदेश में होने वाले नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पालिका चुनावों के प्रचार अभियान के लिए जारी की गई सूची में कांग्रेस नेता एवं गांव नांगतिहाड़ी की पूर्व सरपंच के प्रतिनिधि सुरेंद्र पाराशर को रेवाड़ी और धारूहेड़ा क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास जताया है, वह उसके लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ चुनाव प्रचार में जुटेंगे और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह का दिल की गहराइयों से हार्दिक धन्यवाद करते हुए कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी लगन और समर्पण के साथ निभाया जाएगा। साथ ही पार्टी को मजबूत करने और चुनावों में बेहतर परिणाम दिलाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया जाएगा।

कचरे के ढेर से बढ़ा बीमारी का खतरा अटेली में लोग खुद करने लगे सफाई

शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का दिखा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

शहर में सफाई कर्मचारियों की जारी हड़ताल का असर अब आमजन की सेहत पर पड़ने लगा है। जगह-जगह लगे कचरे के ढेर और फैलती गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ गया है, जिससे लोग चिंतित नजर आ रहे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई मोहल्लों में लोगों ने खुद ही सफाई की जिम्मेदारी उठानी शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले तीन दिनों से कूड़ा नहीं उठने के कारण सड़कों और गलियों में गंदगी लगातार बढ़ रही है, जिससे मच्छर और दुर्गंध की समस्या गंभीर होती जा रही है। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर परिवारों में चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द सफाई व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं दुकानदारों ने भी स्थिति पर नाराजगी जताई है।

बाजारों में कचरा जमा होने से ग्राहकों की आवाजाही पर असर पड़ रहा है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। नगर पालिका की ओर से अभी तक कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को हड़ताल के दौरान भी सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी, ताकि शहर की स्थिति इस कदर न बिगड़ती। लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान निकालने और नियमित सफाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

मंडी अटेली। वार्ड नंबर दो के बाहर लगा कूड़े का ढेर। फोटो : हरिभूमि

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने लगाया कैंप

नारनौल। नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम स्वस्थ नारनौल के अंतर्गत रविवार को दंत मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुस्कान डेंटल क्लीनिक की डॉ. रेनू यादव व डॉ. सचिन यादव ने अपनी सेवाएं दी। इसमें दांतों में लगने वाली बीमारियों की जांच की गई व दांत की रख रखाव में बारे में जानकारी दी गई। जरूरतमंद लोगों को दवाई फ्री उपलब्ध कराई गई। दांतों की जांच करने के साथ बीमारी से कैसे बचा इसकी जानकारी भी दी गई। डॉ. रेनू यादव व डॉ. सचिन यादव ने बताया कि जब दांत पीले पड़ जाते है, तो उसके लिए उपाय है कि नमक और सरसों का तेल से दांतों का पीलापन व बदबू को आसानी से दूर किया जा सकता है। डॉ. रेनू यादव ने बताया कि जब दांतों में संक्रमण होता है, इसके गंभीर होने पर यह आपके दिमाग तक पहुंच जाता है। आमतौर पर आपको अपने दांतों के संक्रमण या इन्फेक्शन से अपना बचाव करने के लिए दांतों की साफ सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। कार्यकम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया ने की। गोगिया ने जानकारी दी 10 मई व 20 को रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. प्रदीप कुमार, मनीष गोगिया, डॉ. रेनू यादव, डॉ. सचिन यादव, सुनील गोयल, संदीप जैन, सुनील शर्मा, कुणाल शुक्ला, दीपक कुमार, तुलसी गोयल आदि मौजूद रहे।

अंकित ठाकुर को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव तलवाना खेड़ी के युवा अंकित ठाकुर ने डिजिटल ट्रांजेक्शन में साइबर सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने शोध करके ऐसा ऐप तैयार किया है, जो डिजिटल ट्रांजेक्शन में साइबर धोखाधड़ी को रोकेगा। उनकी इस सफलता पर रविवार को आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर उनको सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट तथा अन्य गणमान्यजनों ने अंकित ठाकुर को पगड़ी पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अंकित की माता मिथिलेश, दादी सुदेश देवी तथा पिता सुनील कुमार को शॉल ओढ़ाकर तथा दादा ओमवीर प्रधान को साफा पहनाकर सम्मानित किया। अतरलाल ने अंकित की उपलब्धि कि सराहना करते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने की अपील की।

ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अंकित को राज्य सरकार की तरफ से पुरस्कृत करने की मांग की।

ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतरलाल को सौंपा, जिसे उन्होंने तत्काल सरकार को प्रेषित करने का भरोसा दिलाया।

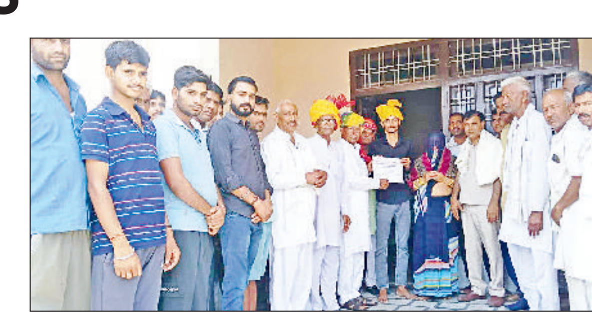

नारनौल। तलवाना के युवा अंकित ठाकुर को सम्मानित करते नेताजी अतरलाल व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ओमवीर प्रधान, राजेंद्र सिंह नंबरदार, डॉ. मुकेश, परमानंद कौशिक, सूबेदार अनिल, रामअवतार, हरपाल, रामचंद्र, सूबेदार राकेश, संदीप, अमन, सौरभ, अंकित, संकित, सुनील, अमरपाल, जॉनी, तेनु, कालू, दीपक, जीतू, हर्ष, संजय, बाबू, राकेश यादव, राजवीर गौड़, सूबेदार श्रीराम, भागसिंह चेयरमैन, दानसिंह प्रजापत, कैलाश सेठ आदि उपस्थित थे।

जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने सीताराम सर्राफ

नारनौल। अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंसा से जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। संदीप नूनीवाला ने बताया कि तीन पदों पर प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने पहले ही नियुक्ति कर दी थी। जिसमें जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव जगमोहन गर्ग व जिला कोषाध्यक्ष सुमित अग्रवाल को बनाया गया था। संदीप नूनीवाला ने बताया कि जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम सर्राफ, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल काश्मीर, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र बंसल, जिला उपाध्यक्ष तुलसी गोयल, जिला उपाध्यक्ष मोहित जिंदल, जिला उपाध्यक्ष मुकेश जैन, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण गोयल, जिला उपाध्यक्ष सतीश दीवान नांगल चौधरी को बनाया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, मृतक फायर कर्मियों के परिवारों को मुआवजा व सरकारी नौकरी देने की उठाई मांग

मांगों को लेकर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल तेज, फायर कर्मियों ने भी जारी रखा आंदोलन

सरकार पर मांगों की अनदेखी करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल की काम छोड़ हड़ताल मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रही। वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी लगातार 25वें दिन हड़ताल पर डटे रहे। कर्मचारियों ने सरकार पर मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। नगर पालिका कर्मचारी संघ नारनौल इकाई के प्रधान भूपेंद्र सारवान ने बताया कि राज्य यूनियन के निर्देशानुसार तीन दिन की हड़ताल को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि इस दौरान सरकार कर्मचारी संगठनों के साथ बातचीत कर उनकी मांगों का समाधान करती है तो आंदोलन समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में प्रदेशभर के कच्चे सफाई कर्मचारियों एवं फायर विभाग के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना शामिल है। इसके अलावा हाल ही में शहीद हुए फायर कर्मियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा शहीद का दर्जा देने की मांग भी उठाई गई। भूपेंद्र सारवान ने आरोप लगाया कि कर्मचारी संगठन कई बार सरकार से बातचीत का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। कर्मचारी नहीं चाहते कि शहर की जनता को किसी प्रकार की परेशानी उठानी पड़े।

नारनौल। धरने को संबोधित करते प्रचार सचिव महावीर वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर फायर इकाई प्रधान गुरदयाल सिंह, राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सांगलिया, जिला प्रधान राहुल सारवान, प्रचार सचिव महावीर वाल्मीकि महावीर प्रसाद, भीम सिंह, निरंजन लाल, रमेश कुमार, राजूराम, विक्रम सिंह, लाखन सिंह, संजय सिंह, राजेश सिंह, लीलाराम, प्रदीप सिंह, राकेश, मनोज, आशीष सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।